Reg. No.
U88900DL2024NPL425004

Contect us.- 8979517580
9250071498
9250907355
9540332727
9457133736

MRITUNJAY NASHA MUKTI FOUNDATION

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Mritunjay Nasha Mukti Foundation

मृत्युंजय नशा मुक्ति फाउण्डेशन

Spl. In : Anti Drugs Awareness Campaign

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

Reg. By : Ministry Of Corporate Affairs, Govt. Of India

हमारा मिशन नशा मुक्त भारत

www.mritunjaynashamukti.org - E-mail: mrityunjaynashamukti@gmail.com

Regd. Office : 157, Pocket 8, Sector 22, Rohini, Delhi - 110086

Board of Directors & Executive Members

आचार्य श्री पवन कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
दिल्ली, एन.सी.आर.

श्री गोविन्द गर्ग
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
मथुरा, उत्तर प्रदेश

श्री सतेन्द्र सिंह
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
दिल्ली, एन.सी.आर.

श्री जसवीर सिंह
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
धारूहेड़ा, हरियाणा

श्री ब्रह्मेश शर्मा
राष्ट्रीय महासचिव
मथुरा, उत्तर प्रदेश

श्री संदीप कुमार
राष्ट्रीय महासचिव
फरीदाबाद, हरियाणा

श्री जगमोहन
राष्ट्रीय महासचिव
फरीदाबाद, हरियाणा

श्री श्रीनिवास शर्मा
राष्ट्रीय सचिव
दिल्ली, एन.सी.आर.

श्रीमती संगतारा यादव
राष्ट्रीय सचिव
रेवाड़ी, हरियाणा

श्री सुन्दर शास्त्री
राष्ट्रीय कार्यकर्ता
गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र.

श्री सुभाष शास्त्री
राष्ट्रीय कार्यकर्ता
गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र.

श्री कपिल शास्त्री
राष्ट्रीय कार्यकर्ता
गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र.

श्री धर्मेन्द्र
राष्ट्रीय कार्यकर्ता
दिल्ली, एन.सी.आर.

श्री भगवत सिंह
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
दिल्ली, एन.सी.आर.

नशामुक्ति अभियान में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी व संस्था राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य श्री पवन कुमार साथ-साथ

सन 2010 से आचार्य श्री पवन कुमार जी नशे के खिलाफ आंदोलन करते हुए।

सन् 2010 से आचार्य जी द्वारा नशा मुक्ति जागरुकता अभियान निरन्तर आज भी

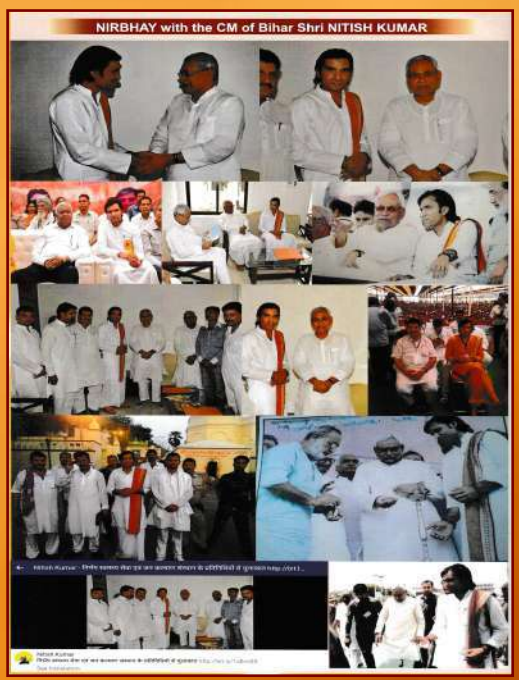

शराब, स्मैक, हैरोइन, ब्राउन शुगर, तम्बाकू, बीडी-सिगरेट

अभी आपने इन नशीली दवाओं के बारे में अखबारों में पढ़ा या दूरदर्शन पर देखा होगा।

जरा ध्यान दें

कहीं ये नशीले पदार्थ आपके ही घर में तो नहीं घुसने जा रहे हैं

अगर

आपको अगले पृष्ठों पर दिये गये चिन्ह अपने पुत्र, भाई या मित्र में दिखाई दे रहे हों तो

सतर्क

हो जाइये और तुरन्त कार्यवाही करिये । कहीं देर न हो जाये।

नशे के लतों की दिनचर्या या उनके व्यक्तित्व में निम्न परिवर्तन दिखाई पड़ने पर सचेत हो जाइये-

देर रात्रि घर पर लौटना।
नये-नये मित्रो का दिखाई देना।
जेब खर्च बढ़ते जाना।
क्षणिक उत्तेजना या चिडचिडापन।
थकावट बैचेनी अनिद्राग्रस्त रहना बोझिल पलकें आंखे में चमक व चहरे पर भाव शून्यता।
धूप के चश्मे का प्रयोग आंखो के लाली छिपाने के लिये बराबर करते रहना।
परिवार के सदस्यों से दूर-दूर रहना।
भूख न लगना व वजन का गिरते जाना।
उल्टियां होना।
निरोधक शक्ति कम हो जाने के कारण अक्सर बीमार रहना।
नीद न आना खांसी के दौरे पडना।
अल्पकालीन स्मृति में हास।
त्वचा पर चकत्ते पड़ जाना।
पेरौ की उंगलियों पर जले के निशान होना।
भुजाओ पर सुई के निशान दिखाई देना।
नशीलीदवा न मिलने पर आंखो व नाक से पानी बहना, शरीर में दर्द खासी उल्टी व बैचेनी होना।
व्यक्तिगत सफाई पर घ्याान न देना तथा बाल बिखरे रहना कपड़े अस्त व्यस्त रहना नाखून बडे रहना कई दिन तक स्नान न करना
आदत के तौर पर झूँठ बोलना तर्क-वितर्क करना
घरेलू सामानों का एक-एक कर गायब होते जाना।
मिठाईयो के प्रति आकर्षण बढ़ जाना।
रात में उठकर सिगरेट पीना।
शौचालय में देर तक रहना।
प्रातः जल्दबाजी में घर से बाहर चले जाना।
कपडों पर सिंगरेट से जले हुए छिद्र दिखाई देना।
स्कूल कॉलेज में उपस्थिति कम होते जाना।
शैक्षिक उपलब्धियों में लगातार गिरावट आते जाना।
सावधानी से ली गयी तलासी में लतों के सामानों में माचिस मोमबत्ती लम्बी शीशे की ट्यूब तथा एल्मूनियम कॉयल व पाउडर के रूप में दवा मिल सकती है।

यदि आपका बच्चा नशीली दवाओं का आदी हो तो

तत्काल निम्न कदम उठायें

उसे स्पष्ठ कर दीजिये कि आप उसकी आदत छुडाने के लिये दृढ़ प्रतिज्ञ है।
उसकी घर से बाहर की समस्त गतिविधियां तत्काल बन्द करा दीजिये।
यदि वह स्कूल जाता है तो उसे स्कूल ले जाने व वापस लाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर लीजिये।
उसके जेब खर्च पर कड़ा नियन्त्रण रखिये।
दवा छोड़ देने की उसकी प्रतिज्ञाओं पर विश्वास न कीजिये।
समय-समय पर उसके सामानों की तलासी लेते रहिये।
उनके मित्रों को परखिये।
यदि उसे नशीली दवायें स्कूल में ही प्राप्त हो जाती हों तो उसे स्कूल से हटा दीजिये।
उसकी फोन कॉलों पर नजर रखिये।
तुरन्त अपने चिकित्सक की राय से उसका मनो चिकित्सकीय परीक्षण विशेषज्ञ से कराईये।

पढ़िये एवं सोचिए

क्या आप इस भ्रम में नशा करते हैं कि यह शक्तिप्रदायक व स्फूर्तिकारक है?
क्या आप चिन्ता, तनाव, कुण्ठा, एकाकीपन दूर करने के लिये नशे का सहारा लेते है?
क्या आप सामाजिक और पारिवारिक उपेक्षा के कारण नशे की शरण लेते है?
क्या आप भावानात्मक रुप से असफल रहने पर नशा करते है?
क्या आप नशे में मनोरंजन तलाशते हैं?
क्या आप के लिये घनिष्ठता बढ़ाने का जरिया नशा है?
क्या आपके लिये संगी, साथी आपको नशे के लिये प्रेरित करते है?
क्या आप फैशन के कारण सामाजिक प्रतिष्ठा की चाह में मित्रों के साथ
मौजमस्ती व विवाह/उत्सव आदि में नशे का सेवन करते हैं?
क्या आप झूठी शान, दिखावा या कुसंगति के फेर में पड़कर नशा करते हैं?
क्या आप कार्याधिक्य, कार्य में असफलता संघर्ष या असुरक्षा के चलते नशे की ओर उन्मुख होते हैं?

यदि ऐसा हो तो- सावधान

नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं अपितु सभी समस्याओं की जड़ है।
क्योंकि अत्याधिक नशीले पदार्थो के सेवन से लीवर में सूजन, अल्सर, पीलिया नपुंसकता जिगर से सम्बन्धित बीमारियां, नाड़ी संस्थान के विभिन्न रोग बेहोशी तथा अन्य अनेकों प्रकार की व्याधियाँ जन्म लेती है।
रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता कमशः क्षीण होती जाती है और व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा कम हो जाती है। मानसिक दुर्बलता, कोध उत्तेजना, संदेह, स्मृतिनाश व विभिन्न प्रकार की मनोकृतियाँ नशे की ही देन है

प्रकार की मनोकृतियाँ नशीले पदार्थो की ही देन है।

अपराधों एवं दुर्घटनाओं की जनजी है नशीले पदार्थ, क्योंकि कोई भी कुकृत्य होशपूर्ण अवस्था में करने का साहस न रखने वाला व्यक्ति नशे के उन्माद में सहज ही ढ़ेरों अपराध व दुर्घटनाओं का कारण बनता है। व्यक्तित्व, पारिवारिक एवं सामाजिक विघटन के लिये उत्तरदायी है। क्योंकि नशे के कारण व्यक्ति टूटता है, परिवार टूटता है सुहाग उजड़ते है, स्त्री जाति अपमानित होती है लोग दीवालिया बनते हैं घर बिकते हैं, खून होते है और मानवता नष्ट होती है इसलिये कहा गया है

महात्मा गाँधी ने भी कहा है-

" जो राष्ट्र नशे की आदत का शिकार है उसके सामने विनाश मुँह खोले खड़ा है। इतिहास में इसके कितने ही प्रमाण हैं कि इस बुराई के कारण अनेकों ही साम्राज्य मिट्टी में मिल गये, जिस पराक्रमी यादव वंश में श्री कृष्ण ने जन्म लिया, वह इस बुराई के कारण नष्ट हो गया, रोमन साम्राज्य के पतन का कारण निःसन्देह यह भयंकर बुराई नशा ही थी। "नशा शारीरिक, नैतिक और आर्थिक सभी दृष्टियों से व्यक्ति को नष्ट करता है, नशे की दुकानें समाज के लिये अकथनीय अभिशाप है अतः नशा को चोरी, यहाँ तक की वेश्यावृत्ति से भी अधिक निन्दनीय मानता हूँ

हमारी संस्था नशे से पीड़ित सभी मरीजों को आयुर्वेदिक दवाईयाँ निःशुल्क प्रदान करती हैं।
हमें काम करने वाले हाथों और अपार समर्थन देने वाले लोगों की आवश्यकता है

Bank : Kotak Mahindra Bank
A/c No. 6349860749
IFSC Code : KKBK0000197
A/c Holder Name : Mritunjay Nasha Mukti Foundation

Mry Foundation

UPI ID - 8979517480@kotak

SPONSORED BY : SHRI KHATU SHYAM PROPERTIES (Printed 100 Brouchers)